



सुशासन
गरीब कल्याण
राष्ट्र निर्माण



सेवा के
25 वर्ष

श्री नरेन्द्र मोदी माननीय प्रधानमंत्री 49169/57

सेवा
संकल्प
अभियान

जनसेवा और जनकल्याण
की यात्रा में आइए भागीदार बनें

सेवा मेरा
योगदान

एक अभियान | एक लक्ष्य | समन्वित प्रयास



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

थाने में शिकायत हो या महाभियोग की कोशिश CEC
ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक्शन संभव नहीं!



नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार के पास 2 कानूनी कवच मौजूद हैं। ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग पास कराने के लिए विपक्ष को 2 तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, जो संभव नहीं है। इसी तरह उनके खिलाफ पुलिसिया एक्शन नहीं लिया जाता है। चुनाव आयोग एसएस संघु और विवेक जोशी के 14 डिसेंट नोट सामने आने के बाद मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष ने मोर्चा खोल दिया है। एक तरफ कांग्रेस समेत कई बड़ी विपक्षी पार्टियाँ ने ज्ञानेश के खिलाफ संसद में महाभियोग लाने की घोषणा की है वहीं दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से सांसद महुआ मोइत्रा ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। एक और मामला सुप्रीम कोर्ट से जुड़ा है। एक वकील ने भारत के अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई चलाने की मांग की है। ज्ञानेश कुमार के पास 2 मजबूत सुरक्षा कवच बतौर मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल 2029 के शुरुआत तक है। यानी अभी 2 साल कम से कम ज्ञानेश अपने पद पर रहेंगे। उन्हें पद से हटाने के लिए कांग्रेस ने महाभियोग लाने का फैसला किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के मुताबिक पहले भी 2 बार कोशिश की गई है। अब हम नए तौर से इसके लिए प्रयास करेंगे।

अब ईसान नहीं, रोबोट जाएगा गोला-बारूद और संधिध
हथियार उठाने दिल्ली पुलिस ने किया इमो



नई दिल्ली। आज कई क्षेत्रों में रोबोट का इस्तेमाल धड़ले से हो रहा है। अब दिल्ली पुलिस भी गोला-बारूद और संधिध हथियारों को उठाने के लिए जल्द ही रोबोट का सहारा लेने वाली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुवार को इसका बाकायदा दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में डेमो भी किया है। इस रोबोट को रिमोट ऑपरेटड व्हीकल के नाम से जाना जाता है। इसकी खासियत होती है कि यह 8 किलो से लेकर 50 किलो तक के संधिध पदार्थ को उठाकर एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकता है। आपातकालीन स्थिति में संधिध पदार्थ को उठाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। दरअसल, राजधानी में संधिध विस्फोटक या बम जैसी वस्तु मिलने पर अब पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में तकनीक का सहारा लिया जा रहा है।

12 घंटे के अंदर सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दो
शिकायत, अब महुआ मोइत्रा पहुंची पुलिस स्टेशन



नई दिल्ली। चुनाव आयोग को लेकर मीडिया रिपोर्टों के खुलासे के बाद हड़कंप मचा है। मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पिछले 24 घंटे में दो शिकायतें की गई हैं। पहले सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर मुख्य चुनाव आयोग के खिलाफ क्रिमिनल कटेमट की कार्रवाई शुरू करने की अनुमति की मांग की। वहीं, अब TMC सांसद महुआ मोइत्रा थाने पहुंची हैं। पश्चिम बंगाल के काँष्णानगर से TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने गुरुवार दोपहर दृष्ट ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। पर तीखा हमला बोला और उनके इस्तीफे की मांग की थी।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में रियल एस्टेट सेक्टर की होगी अहम भूमिका : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

नई औद्योगिक विकास नीति के बाद छत्तीसगढ़ को मिले 8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

एक सत बुलेटिन > रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित क्रेडॉइ छत्तीसगढ़ स्टेटकॉन-2026 'बिल्डिंग विकसित छत्तीसगढ़' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने में रियल एस्टेट सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शहरीकरण के साथ प्रदेश में आधुनिक शहरों, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास तथा मजबूत अधोसंरचना की आवश्यकता भी बढ़ रही है। राज्य सरकार रियल एस्टेट सेक्टर के विकास के लिए पारदर्शी व्यवस्था, सरल प्रक्रियाओं और निवेश के अनुकूल वातावरण के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में रियल एस्टेट सेक्टर की होगी अहम भूमिका - मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अपना घर प्रत्येक परिवार का सपना



होता है। समाज के हर वर्ग की आकांक्षा होती है कि उसके पास सुरक्षित और सुविधाजनक आवास हो। पिछले पौने तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट सेक्टर ने तेजी से प्रगति की है। आने वाले वर्षों में प्रदेश में बढ़ते निवेश, औद्योगिकीकरण, बेहतर कनेक्टिविटी और नए शहरी केंद्रों के विकास के साथ इस क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ेंगी। उन्होंने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों से कहा कि वे प्रदेश के विकास में भागीदार बनें और गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप

आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं के निर्माण में योगदान दें।

विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप तैयार किया 'छत्तीसगढ़ अंजोर'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट 'छत्तीसगढ़ अंजोर' तैयार किया है। राज्य ने अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने की अपार क्षमता है। प्रदेश का लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। यहां प्रचुर खनिज संपदा, पर्याप्त बिजली और जल संसाधन उपलब्ध हैं।

नोएडा में स्लीपरबस में आग 9 यात्रियों की



एजेंसी > नई दिल्ली

नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपरबस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है। बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे का शिकार हुई बस दिल्ली के कर्मोरी गेट से रात 9-30 बजे महोबा के लिए

निकली थी। करीब 11-30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर इसमें आग लग गई। पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज कल्पना ट्रेवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और 71.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है। बस में सवार यात्री सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ देर बाद उसमें आग लग गई।

चक्रवात अर्नब से ओडिशा- आंध्र प्रदेश में भारी बारिश,

बंगाल, एमपी और
छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में
आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी > नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों



में भारी बारिश हो रही है। दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार

पुल डूब जाने से ट्रेफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कार्यों से नेशनल हाइवे भी बंद कर दिया गया है। वहीं, राउरकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ 75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई स्कूलों में लगातार दूसरे दिन छुट्टी कर दी गई है।

कर्नाटक को छोड़ना होगा कावेरी का पानी

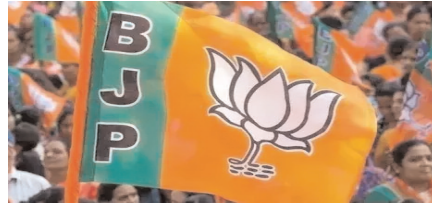
नई दिल्ली। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच चल रहे विवाद में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। अदालत ने कर्नाटक को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश का पालन जारी रखने को कहा है। साथ ही कर्नाटक को तमिलनाडु की ओर से उठाई गई आपत्तियों पर एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। कावेरी जल बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से कानूनी विवाद चल रहा है और इससे पहले भी शीर्ष अदालत कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण तथा जल प्रबंधन व्यवस्था से जुड़े मामलों पर आदेश दे चुकी है।

भाजपा संगठन में बड़ा फेरबदल,

24 नेताओं को मिली नई जिम्मेदारी

एजेंसी > नई दिल्ली

अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक ढांचे में बदलाव करते हुए कई नई नियुक्तियां की हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबी ने गुरुवार को 24 संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की। इनमें राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन), प्रदेश महासचिव (संगठन) और सह-महासचिव (संगठन) जैसे पद शामिल हैं। पार्टी ने कहा है कि ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।



करोड़ों रुपये का उपयोग समुदाय के कल्याण के लिए एक मिसाल कायम कर रहे हैं।

हैदराबाद में गणेश जी का लड्डू बना 'करोड़पति', 1.01 करोड़ में हुई नीलामी; रचा इतिहास

एजेंसी > नई दिल्ली

हैदराबाद के बंदलागुड़ा जागीर स्थित कीर्ति रिचमंड विला में गणेश चतुर्थी उत्सव के मौके में आयोजित लड्डू की नीलामी ने एक नया इतिहास रच दिया है। यहां गणेश जी के लड्डू ने नीलामी में 1 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड तोड़ कीमत हासिल करके सभी को चौंका दिया। रिचमंड विला परिसर में गणेश विसर्जन से पहले आयोजित इस लड्डू की नीलामी में विला के निवासियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

भक्तों के बीच हुई इस नीलामी में लड्डू की कीमत पल-पल बढ़ती गई और उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नीलामी में, विला के सदस्यों ने समूह बनाकर इस पवित्र प्रसाद को



जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा की। शक्तिमान टीम ने 1101 करोड़ रुपये में लड्डू की नीलामी जीती। हालांकि, इस बार कीमत पिछले वर्षों की तुलना में कम हो गई है।

इस साल घट गई लड्डू की कीमत

2024 में रिकॉर्ड 1187 करोड़ रुपये और 2025 में 2131 करोड़ रुपये में नीलाम होने वाला लड्डू इस साल घटकर 1101 करोड़ रुपये रह गया। इस बीच, आयोजकों ने बताया कि लड्डू की नीलामी से प्राप्त धनराशि का उपयोग आरपी दीपा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सामाजिक सेवा कार्यक्रमों के लिए किया जा रहा है। विला में काम करने वाली गरीब नौकरानियों, ड्राइवों और बच्चों की स्कूल फीस इसी धनराशि से दी जाती है। गंभीर

बीमारियों से पीड़ित गरीबों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है। वृद्धाश्रमों, अनाथालयों और अन्य धार्मिक संगठनों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। 2018 में महज 25,000 रुपये से शुरू हुई रिचमंड विला लड्डू-नीलामी अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही है।

लोकप्रिय है कीर्ति रिचमंड विला की ये नीलामी

भक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी के भाव से प्रेरित होकर यह नीलामी लोकप्रियता हासिल कर रही है। त्योहार मनाने के साथ-साथ लड्डू नीलामी से जुटाए गए करोड़ों रुपये का उपयोग समुदाय के कल्याण के लिए, एक मिसाल कायम कर रहे हैं।

न्यूज़ इन शॉर्ट

सेवा के संकल्प के साथ राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना मुश्किल वक्त में पूर्णिमा को दिया संबल, 20 हजार रुपए की मिली आर्थिक मदद

रायपुर। प्रदेश भर में संचालित ‘सेवा संकल्प’ अभियान जरूरतमंदों और असहाय परिवारों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। योजना के माध्यम से शासकीय सुविधाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी और त्वरित रूप से पहुंचाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत मानिकचौरी की निवासी श्रीमती पूर्णिमा चंद्रवंशी को उनके कठिन समय में शासन की ओर से त्वरित सहायता प्राप्त हुई है। श्रीमती पूर्णिमा चंद्रवंशी ने बताया कि पति के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था और आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गई थी। संकट की इस घड़ी में जब उन्होंने ग्राम पंचायत को पति के निधन की सूचना दी, तो ग्राम पंचायत सचिव ने सेवा संकल्प की भावना से त्वरित कार्रवाई की। सचिव ने 2002-03 की बीपीएल सर्वे सूची का तत्काल अवलोकन किया, जिसमें परिवार का नाम गरीबी रेखा की सूची में दर्ज पाया गया। इसके बाद तुरंत प्रक्रिया पूरी करते हुए श्रीमती पूर्णिमा से राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का आवेदन फॉर्म भरवाया गया। प्रशासनिक तत्परता के चलते उनके सीधे बैंक खाते में 20 हजार रुपए की सहायता राशि ट्रांसफर कर दी गई। इस त्वरित वित्तीय संबल से परिवार को बेहद राहत मिली है। संकट के समय में मिली इस मदद पर बेहद खुशी जाहिर करते हुए श्रीमती पूर्णिमा चंद्रवंशी ने इस सेवा के लिए केन्द्र व राज्य सरकार का सहृदय आभार व्यक्त किया।

कर्मवीर सिंह को मिली नई जिम्मेदारी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दी बधाई

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा कर्मवीर सिंह को छत्तीसगढ़ भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किए जाने पर रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कर्मवीर सिंह के सफल, ऊर्जावान और यशस्वी कार्यकाल की कामना की है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कर्मवीर सिंह को नई संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कर्मवीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन और संगठनात्मक कौशल से छत्तीसगढ़ में भाजपा संगठन को नई ऊर्जा, मजबूती और दिशा मिलेगी। छद्म ऋद्धस - भारत में दस्तक दे रहा साल का पहला चक्रवात अर्न्ब ज्यादा जानें ऑनलाइन शब्दकोश खोजें समाचार पोर्टल हिंदी समाचार संग्रह अग्रवाल ने विश्वास जताया कि कर्मवीर सिंह अपने संगठनात्मक अनुभव और कार्यशैली के माध्यम से प्रदेश में पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। प्रदेश महामंत्री (संगठन) के रूप में उन्हें मिली नई जिम्मेदारी के बाद पार्टी के संगठनात्मक कार्यों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा प्रदेश संगठन में यह नियुक्ति की गई है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रदेश के नेताओं की ओर से कर्मवीर सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। छद्म ऋद्धस - सेवा संकल्प अभियान: पक्ष घर ने गीतांजलि के परिवार को दी सुरक्षित और सुकूनभरी दिशगी रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कर्मवीर सिंह के संगठनात्मक कौशल और मार्गदर्शन से प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय को आगे बढ़ाने में भी उनका अनुभव उपयोगी रहेगा। अग्रवाल ने अपने संदेश में ईश्वर से कर्मवीर सिंह के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं। कर्मवीर सिंह की नियुक्ति छत्तीसगढ़ भाजपा के - यमुना एक्सप्रेस-वै बस हादसे पर छरुसाय ने जताया दुख संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में सामने आई है। प्रदेश महामंत्री (संगठन) का दायित्व पार्टी के भीतर संगठनात्मक समन्वय और विभिन्न स्तरों पर संगठन से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण माना जाता है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि कर्मवीर सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश भाजपा संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी तथा संगठनात्मक कार्यों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

ग्रामीणों की भागीदारी से तय होगी गांवों के विकास की दिशा

2 अक्टूबर से ग्राम सभाओं में तैयार होगी विकसित ग्राम पंचायत योजना

संवाददाता > रायपुर

प्रदेश के गांवों के समग्र एवं सुनियोजित विकास के लिए 2 अक्टूबर से ग्राम सभाओं के माध्यम से विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इस पहल के अंतर्गत ग्रामीण स्वयं अपने गांव की जरूरतों, समस्याओं और विकास की प्राथमिकताओं को तय करने में भागीदारी निभाएंगे। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों, स्थानीय संसाधनों और विकास संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर ग्राम पंचायतों की आगामी विकास कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

गांव की जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर बनेगी विकास की कार्ययोजना’

अक्टूबर-नवंबर में बस्ती और वाई स्तर पर होगा ग्रामीणों से सीधा संवाद

विकसित ग्राम पंचायत योजना को वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की योजना तैयार करने का प्रमुख माध्यम बनाया गया है। इसके तहत गांवों में उपलब्ध संसाधनों, मौजूदा परिसंपत्तियों और विकास संबंधी कमियों का आकलन कर ग्रामीणों की सहभागिता से आवश्यक कार्यों की पहचान की जाएगी। ग्राम सभा से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद योजनाओं को विकासखंड

एवं जिला स्तर पर समेकित किया जाएगा।2 अक्टूबर को ग्राम सभाओं में होगी योजना निर्माण की शुरुआत प्रदेश की ग्राम पंचायतों में 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं में विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने की प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। इस अवसर पर ग्रामीणों को ग्राम पंचायत से संबंधित आधारभूत आंकड़ों, मानचित्रों, अनुमेय कार्यों और योजना निर्माण की प्रक्रिया के

संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। ग्राम सभाओं में गांव की विकास संबंधी कमियों, जल बजट और ई-जल पोर्टल से प्राप्त अनुशंसित कार्यों की जानकारी भी साझा की जाएगी। इसके साथ ही गांवों में मौजूद ऐसी परिसंपत्तियों की पहचान की जाएगी, जो भौतिक रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन अभी तक डिजिटल अभिलेखों में दर्ज नहीं हैं। ग्राम सभा में बस्ती, वाई और ग्राम स्तर पर सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन तथा सामुदायिक परामर्श की प्रक्रिया और समय-सीमा भी निर्धारित की जाएगी, ताकि योजना निर्माण में अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी

सुनिश्चित हो सके। अक्टूबर-नवंबर में गांव-गांव पहुंचकर लिए जाएंगे ग्रामीणों के सुझाव विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने के लिए सितंबर माह में प्रारंभिक तैयारियां पूरी की जाएंगी। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने के साथ ही युक्तधारा पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न मानचित्र परतों के आधार पर ग्राम पंचायतों का आधारभूत डेटा तैयार किया जाएगा। इसके बाद अक्टूबर और नवंबर माह में बस्ती एवं वाई स्तर पर ग्रामीणों के साथ बैठकें आयोजित कर सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन किया जाएगा।

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा छत्तीसगढ़ का ग्रामीण पर्यटन मॉडल



संवाददाता > रायपुर

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, ग्रामीण जीवनशैली, लोक संस्कृति और आत्मीय आतिथ्य अब देश ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहा है। पर्यटन के बदलते स्वरूप में अब पर्यटक केवल बड़े शहरों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे गांवों की मिट्टी की खुशबू, स्थानीय खान-पान, परंपराओं, हस्तशिल्प और ग्रामीण जीवन को करीब से अनुभव करने में भी रुचि ले रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के लमना विलेज स्टे में ब्रिटेन से पहुंचे पर्यटकों का प्रवास इसी बदलती पर्यटन तस्वीर की जीवंत मिसाल है।

ब्रिटेन से आए श्री फ्रैंक रोजर मार्सेटन और श्रीमती जेनिफर मार्गरेट रेनफ्रू मार्सेटन का लमना गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक आत्मीयता के साथ तिलक लगाकर तथा ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच स्वागत किया। विदेशी अतिथियों ने भी ग्रामीणों के इस आत्मीय स्वागत का आनंद लिया और स्थानीय लोगों के साथ सहजता से घुल-मिलकर छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति को करीब से महसूस किया। लमना विलेज स्टे में अतिथियों का अनुभव केवल उठरने तक सीमित नहीं रहा। उन्हें गांव की गलियों, खेत-खलिहानों, पारंपरिक परिवेश और स्थानीय जीवन से परिचित कराने के लिए ‘विलेज वॉक’ कराया गया। इस दौरान अतिथियों ने ग्रामीणों से संवाद किया, स्थानीय



जीवनशैली को समझा और गांव के सहज वातावरण का आनंद लिया। अतिथियों ने ग्रामीण परिवारों, बच्चों, महिलाओं और स्थानीय लोगों के साथ आत्मीय संवाद भी किया।

ग्रामीण हाट बना खास आकर्षण

लमना प्रवास के दौरान स्थानीय ग्रामीण हाट का भ्रमण विदेशी मेहमानों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। हाट में उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों से बातचीत की तथा मिट्टी के बर्तन, बांस से बने सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, स्थानीय खाद्य सामग्री, सज्जियों और अन्य ग्रामीण उत्पादों को करीब से देखा। ग्रामीण बाजार की चहल-पहल, स्थानीय उत्पादों की विविधता

और लोगों के सहज व्यवहार ने अतिथियों को भारतीय गांव के वास्तविक जीवन का अनुभव कराया।

ग्रामीण जीवन से सीधे जुड़ने का अनुभव

लमना विलेज स्टे की खासियत यह है कि यहां पर्यटक केवल किसी स्थान को देखने नहीं आते, बल्कि स्थानीय जीवन का हिस्सा बनकर उसे महसूस करते हैं। ब्रिटिश अतिथियों ने ग्रामीण परिवेश में समय बिताया, स्थानीय लोगों के साथ बैठकर बातचीत की और पारंपरिक ग्रामीण वातावरण को नजदीक से जाना। आत्मीयता ने उनके प्रवास को एक अलग तरह का अनुभव दिया।

सिरहासार भवन में श्रद्धा और उल्लास के साथ उल्लास के साथ संपन्न हुई डेरी गड़ाई



सिरहासार भवन में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई डेरी गड़ाई की रस्म

हल्दी उत्सव के साथ बंधी मांगलिक छटा

संवाददाता > रायपुर

विश्व प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत मण्डप आच्छादन का मुख्य आधार मानी जाने वाली पावन रस्म डेरी गड़ाई गुरुवार को बस्तर जिले के जिला मुख्यालय जगदलपुर स्थित सिरहासार भवन में पूरे पारंपरिक विधि-विधान, लोक-संस्कृति और देव-विधान के तहत अत्यंत गरिमामयी माहौल में संपन्न हुई। इस रस्म के विधिगत निर्वहन के साथ ही बस्तर दशहरा के विशाल मांगलिक मंडप की आधारशिला रखी गई है। पुरातन लोक-परंपरा का पालन करते हुए नगर सीमा से लगे ग्राम बिलोरी से ग्रामीण दो विशेष काष्ठ स्तंभों (लकड़ियों) को लेकर सिरहासार भवन पहुंचे, जिन्हें स्थानीय बोली और संस्कृति में डेरी कहा जाता है। इसके पश्चात सिरहासार भवन परिसर में इन पावन काष्ठ स्तंभों की पारंपरिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बाद स्थापना की गई।

डेरी गड़ाई और मण्डप आच्छादन का यह मंगल विधान पूर्ण होते ही समूचा परिसर असीम उल्लास से भर उठा। वर्षों पुरानी परंपरा को अनुसारा डेरी स्थापना के तुरंत बाद में मेम्बरीनों द्वारा अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ हल्दी खेली गई, जिसने बस्तर दशहरा के इस पावन अवसर को एक भव्य मांगलिक प्रसंग की तरह आत्मीयता व आनंद के रंगों से सराबोर कर दिया। इस ऐतिहासिक एवं पारंपरिक आयोजन में जनभागीदारी और प्रशासनिक सहभागिता का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश करश्यप, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष श्री बलराम मांडवी, महापौर श्री संजय पाण्डे सहित कमिश्नर श्री डोमन सिंह, कलेक्टर श्री आकाश छिक्रा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही विभिन्न परगनों से पहुंचे मांडी-चालकी, नाइक-पाइक, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी, गायत, सिरहा-गुनिया, पेरेमा सहित बड़ी संख्या में पारंपरिक मुखिया और श्रद्धालु नागरिक इस मांगलिक अनुष्ठान के साक्षी बने।

आजीविका डबरी ने जगाई नई उम्मीद, मछली पालन से समृद्धि की ओर बढ़ रहा जगदेव का परिवार

मेहनत, योजना और उपलब्ध संसाधन के बेहतर उपयोग से आत्मनिर्भरता की राह पर ग्राम पंचायत केकराखोली का परिवार

संवाददाता > धमतरी

ग्रामीण परिवार के लिए जब कोई संसाधन केवल सुविधा नहीं, बल्कि स्थायी आजीविका का आधार बनने लगे, तो वह बदलाव जीवन में नई उम्मीद लेकर आता है। शासन की योजनाओं का उद्देश्य भी यही है कि जरूरतमंद परिवारों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, जिनके माध्यम से वे अपनी मेहनत और क्षमता का बेहतर उपयोग करते हुए आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से पहुंचाने और हितग्राहियों को उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में मगरलोड विकासखंड के ग्राम पंचायत केकराखोली निवासी श्री जगदेव पिता श्री मंगल राम की कहानी बजाने से मिले संसाधन को आजीविका के अवसर में बदलने की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत करती है।

योजना से मिला संसाधन, भविष्य के लिए तैयार हुआ आजीविका का आधार

जगदेव का परिवार लंबे समय से ग्रामीण परिवेश में उपलब्ध सीमित संसाधनों के सहारे खेती-किसानी एवं अन्य छोटे-मोटे कार्यों से अपनी आजीविका चलाता रहा है। परिवार की आय मुख्यतः दैनिक

आवश्यकताओं की पूर्ति में खर्च हो जाती थी। ऐसे में अतिरिक्त एवं अपेक्षाकृत स्थायी आय के साधन की आवश्यकता महसूस होती रही।

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2026 में वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत जगदेव के लिए आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। योजना से निर्मित डबरी ने उनके परिवार को एक ऐसा जल संसाधन उपलब्ध कराया, जिसका उपयोग अब आजीविका के नए अवसर के रूप में किया जा रहा है।आज यह डबरी पानी से भरी हुई है। जल की उपलब्धता को देखते हुए जगदेव ने इसमें मछली पालन को आजीविका गतिविधि के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस प्रकार योजना के माध्यम से निर्मित परिसंपत्ति अब केवल जल संग्रहण तक सीमित नहीं रहकर परिवार के लिए संभावित आय का आधार बन रही है।

डबरी में दिख रहा है आत्मनिर्भर भविष्य का सपना

जगदेव बताते हैं कि पहले उनके पास ऐसा कोई स्वयं का संसाधन नहीं था, जिसका उपयोग वे अतिरिक्त आमदनी के लिए कर सकें। डबरी निर्माण के बाद उन्हें अपने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का अवसर मिला है।वे कहते हैं, “हमारे लिए यह डबरी सिर्फ पानी जमा करने का साधन नहीं है। यह हमारे परिवार के लिए रोजगार और आमदनी का नया रास्ता है। डबरी में पानी देखकर हमें खुशी होती है। अब हम इसमें मछली पालन को आगे बढ़ाना चाहते हैं, ताकि आने वाले समय में परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिल सके।”

भारतीय क्रिकेट का नया स्पॉन्सर बना मुथूट फिनकोर्प:2 घरेलू सीजन के अधिकार मिले;



एजेंसी ➤ मुंबई

भारतीय क्रिकेट के अगले दो घरेलू सीजन के लिए मुथूट फिनकोर्प नया टाइटल स्पॉन्सर बन गया है। कंपनी को भारत में होने वाले इंटरनेशनल और घरेलू मैचों के टाइटल स्पॉन्सरशिप राइट्स 31 मार्च 2028 तक मिले हैं। इस दौरान करीब 35 घरेलू इंटरनेशनल मैच होंगे।इस स्पॉन्सरशिप को ब्लू मुथूट नाम से पेश किया जाएगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, डील की बातचीत 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच के बेस प्राइस पर हुई है। हालांकि के ऑफिशियल स्टेटमेंट के बाद ही बेस प्राइस की स्थिति साफ होगी।

2025-26 का रणजी ट्रॉफी सीजन जम्मू-कश्मीर ने जीता था। इसका भी स्पॉन्सर दृष्टस्रष्ट फर्स्ट बैंक था। वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से दिखेगा असर इस दौरान भारत में 10 टेस्ट, 12 वनडे और 13 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। यह डील तुरंत प्रभावी होगी। इसका असर 27 सितंबर से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में दिखाई देगा।

खास बात यह है कि सीरीज का पहला मैच मुथूट के गृह राज्य केरल में खेला जाएगा। पहला वनडे 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगा।1997 में स्थापित हुई मुथूट फिनकोर्प, कोच्चि के मुथूट परिवार की कंपनी है।

नए स्पॉन्सर की घोषणा में देरी क्यों हुई?

नए टाइटल स्पॉन्सर की घोषणा में देरी हुई थी। इसकी एक वजह अधिकारों के लिए गंभीर बोलीदाताओं की कमी बताई गई। ऊंची बेस कीमत भी इसकी वजह रही।

के मुताबिक, प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए टाइटल स्पॉन्सर का फैसला 13 अगस्त को होना था। हालांकि, कोई बोलीदाता सामने नहीं आया। इसके बाद ऋष्टष्टु ने संभावित कंपनियों से सीधे बातचीत शुरू की।

से भी संपर्क किया था। सितंबर 2023 से अगस्त 2026 तक का टाइटल स्पॉन्सर था। तीन साल की इस डील के तहत बैंक भारत में होने वाले पुरुष और महिला दोनों के इंटरनेशनल और घरेलू मैचों का टाइटल स्पॉन्सर रहा।इसके लिएको प्रति मैच 4.2 करोड़ रुपए देता था। अगस्त 2026 में डील खत्म होने के बाद ऋष्टष्टु ने नए टाइटल स्पॉन्सर की तलाश शुरू की।

भारत में पहली बार होगी साइक्लिंग रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप



भारत पहली बार साइक्लिंग रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इंटरनेशनल साइक्लिंग यूनियन ने 2032 की चैंपियनशिप के लिए पुणे को मेजबान चुना है। इसका फैसला मॉन्ट्रियल में हुई छठे कांग्रेस में किया गया। नीदरलैंड्स के ग्रोनिंगन-ड्रेथे को 2034 की चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। छठे प्रेसिडेंट डेविड लापातिर्त ने कहा कि पुणे और ग्रोनिंगन-ड्रेथे की ओर से मजबूत दावेदारी पेश की गई थी।

एशियन गेम्स- भारत को मिक्स्ट स्कीट में पहली बार मेडल

रोशबिना को वुशु में सिल्वर, रोइंग में कांस्य आया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अनंतजीत सिंह नारूका और परिना डालीवाल की जोड़ी ने शॉटगन शूटिंग के मिक्स्ट स्कीट टीम इवेंट में भारत को ऐतिहासिक ब्रॉन्ज दिलाया। फाइनल में दोनों ने 48 में से 44 निशाने सटीक लगाए और तीसरे स्थान पर रहे। एशियन गेम्स के इतिहास में इस इवेंट में भारत का यह पहला मेडल है। यह मौजूदा गेम्स में शूटिंग में भारत का 8वां पदक है। इनमें 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इस ब्रॉन्ज के बाद भारत के कुल 15 पदक हो गए हैं। इनमें 1 गोल्ड, 6 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज शामिल हैं। चीन 100 से ज्यादा पदक जीतकर टॉप पर है। रोशबिना लगातार तीसरे एशियाड में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला वुशु खिलाड़ी

रोशबिना देवी ने महिलाओं के 60 किग्रा सांडा में सिल्वर जीता। फाइनल में चीन की झांग शियाओयू ने उन्हें 2-0 से हराया। इस पदक के साथ रोशबिना ने लगातार तीसरे एशियन गेम्स में मेडल जीतने की उपलब्धि हासिल की। वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला वुशु



खिलाड़ी बन गई हैं।

रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

कबड्डी-महिला टीम नेपाल और पुरुष टीम थाईलैंड से भिड़ेगी एशियन गेम्स में भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीमों सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। दोनों टीमों का मेडल पक्का हो चुका है।

भारतीय महिला टीम सुबह 9२30 बजे नेपाल के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेगी। इसके बाद भारतीय पुरुष टीम सुबह 10२45 बजे थाईलैंड के सामने होगी।

ट्रिपल जंप-आशा इलांगो चौथे स्थान पर रही भारत की आशा इलांगो ट्रिपल जंप फाइनल में चौथे स्थान पर रही। उन्होंने 13.83 मीटर की छलांग लगाई, जो ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली चीन की ली यी के प्रदर्शन के बराबर थी। मेडल का फैसला दूसरे बेस्ट जंप के आधार पर हुआ। आशा का दूसरा बेस्ट 13.65 मीटर रहा, जबकि ली यी का दूसरा बेस्ट 13.79 मीटर था।

व्यापार

घर में ही मिलेगा IMAX थिएटर का फील-मेटा के VR ग्लास पेश

बिना कैमरे वाले स्मार्ट ग्लासेज भी लॉन्च, बोलने भर से टिकट बुकिंग होगी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अब आप घर बैठे ही थिएटर का मजा ले सकेंगे। बोलने भर से शॉपिंग हो जाएगी और टिकट और अपॉइंटमेंट बुकिंग जैसे काम भी कर पाएंगे। मार्क ज़ुक़रबर्ग की कंपनी मेटा ने 23 सितंबर को अपने सालाना इवेंट में नए स्मार्ट चश्मे और वचुअल रियलिटी डिवाइस पेश किए हैं।

खबर में आगे बढ़ने से पहले इवेंट में लॉन्च हुए प्रोडक्ट की 3 तस्वीरें कैफे में मेटा डूक़ ग्लासेस पहने कई वचुअल विंडोज पर काम करती महिला

मेटा डूक़ग्लासेस और उससे जुड़ा कंप्यूट पक। फोटो-मेटा

- बिना कैमरा वाले रे बेन मेटा ऑडियो,दु ग्लासेज



स्मार्ट ग्लासेज में कैमरे की वजह से अक्सर सीक्रेट रिकॉर्डिंग से जुड़ी चिंताएं जताई जाती रही हैं। इसी से निपटने के लिए मेटा ने बिना कैमरा वाले रे बेन मेटा ऑडियो,दु ग्लासेज पेश किए हैं। इसमें केवल माइक्रोफोन और स्पीचर्स दिए गए हैं, जिनकी मदद से यूजर म्यूजिक सुन सकते हैं, कॉलिंग कर सकते हैं और मेटा,दु अस्सिस्टेड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

- डॉल्बी एट्मॉस सपोर्ट वाला रे-बैन मेटा जेन कंपनी ने फोटो-वीडियो के शौकीनों के लिए

कैमरे वाले अपने रेगुलर स्मार्ट ग्लासेज का नया वर्जन रे बेन मेटा जेन 3 भी लॉन्च किया है। इसमें पिछले वर्जन के मुकाबले बेहतर बैटरी लाइफ मिलेगी, जो 9 घंटे तक चलती है। इसमें डॉल्बी एट्मॉस ऑडियो का सपोर्ट भी दिया गया है।

- 100 ग्राम वजनी मेटा डूक़ग्लासेज मेटा ने अपने क्रैस्ट हेडसेट की जगह सिर्फ 100 ग्राम वजनी मेटा डूक़ग्लासेज पेश किए हैं। ये दिखने में चश्मे जैसा है और एपल के विजन प्रो की टक्कर देगा। वजन कम रखने के लिए इसकी बैटरी और प्रोसेसर को 300 ग्राम के एक अलग छोटे डिवाइस में दिया गया है। इसमें 5च स्क्रीन लगी है, जिस पर धुंधलेपन के बिना साफ टेक्स्ट पढ़ा जा सकता है। 3४ में दूक़्डू जैसा सिनेमा का मजा लिया जा सकता है।



खाने का तेल सस्ता होगा, नई कीमतें आज से लागू-सूरजमुखी तेल पर अब कस्टम इयूटी नहीं लगेगी, सोया-पाम ऑयल पर 5त घटाई

केंद्र सरकार ने खाने के तेल पर बेसिक कस्टम इयूटी घटा दी है। इससे देश में खाना पकाने का तेल सस्ता हो सकता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, नई दरें 24 सितंबर से लागू होंगी। सरकार ने कूड सोया और कूड पाम ऑयल पर शुल्क 10त से घटाकर 5त कर दिया है।

सोने-चांदी के दाम में लगातार चौथे दिन गिरावट

चांदी 7 हजार सस्ती होकर 2.30 लाख किलो पर आई, सोना आज 853 गिरा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 24 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी दूक़्डू के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 853 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी 2,716 रुपए सस्ती होकर 2.30 लाख रुपए पर आ गई है।

ये लगातार चौथा दिन सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। चांदी 4 दिन में करीब 7 हजार और सोना 2,500 रुपए सस्ता हो चुका है। क्या यह गिरावट लंबी चलेगी

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है-

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने 3 साल में पहली बार बड़ाई ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है। हालांकि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक



अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है, जिससे निवेशक इसे सुरक्षित निवेश के रूप में फिर से चुन सकते हैं।

एक्सपर्ट्स की राय है कि निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अभी भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का अवसर भी बन सकता है।

सोने में गोल्ड के जरिए कम पैसों में कर सकते हैं निवेश गोल्ड सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ट होते हैं। गोल्ड की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह और पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना नहीं मिलता। आप जब इससे निकलना चाहें तब आपको उस समय के सोने के भाव के बराबर पैसा मिल जाएगा। इसमें 100 रुपए से भी कम में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

कोड को काले कपड़े से ढकेंगे; 2000 से ज्यादा ट्रंजैक्शन पर चार्ज का विरोध

देशभर में 2-अक्टूबर को UPI से पेमेंट नहीं लेंगे व्यापारी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देशभर में व्यापारी और दुकानदार 2 अक्टूबर को क़्ड से पेमेंट नहीं लेंगे। सरकार के २2000 से ज्यादा के ट्रंजैक्शन पर 0.4त चार्ज के विरोध में व्यापारी संगठनों ने इस दिन ने क़्ड डे मनाने का ऐलान किया है।

इस दिन व्यापारी अपनी दुकानों पर लगे क़्ड त्तर कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढकेकर विरोध जताएंगे। व्यापारियों की सरकार से 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहे चार्ज को हटाने की मांग है।

महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड

एग्रीकल्चर के अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे। व्यापारी संगठनों का चार्ज के विरोध में तर्क रिटेल व्यापारी और डिस्ट्रीब्यूटर कम मार्जिन पर काम करते हैं। डिजिटल लेनदेन पर अतिरिक्त चार्ज थोपने से लागत बढ़ेगी। डिजिटल पेमेंट का उद्देश्य प्रोसेस को आसान बनाने के लिए होना चाहिए, व्यापारियों पर बोझ डालना के लिए नहीं।

से कैश का चलन घटा है। व्यापारी सिस्टम को पारदर्शी बनाने में सहयोग कर रहे, तो उन पर शुल्क लगाना सही नहीं।

डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के बजाय व्यापारियों पर चार्ज लगाना आर्थिक दंड देने जैसा है।

सरकार ने इस फैसले पर फिर विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

- अक्टूबर को क़्ड पेमेंट की समस्या से बचने के लिए ऑफ़न कैश- सबसे आसान और सुरक्षित तरीका। दुकानदारों के लिए भी नकद लेना इस दिन सुविधाजनक होगा। डेबिट या क्रेडिट कार्ड- स्वाइप या टैप करके कार्ड से पेमेंट करें। लभगम सभी बड़ी दुकानों पर यह सुविधा मिलती है।

नेट बैंकिंग/ बड़ी खरीदारी या ऑनलाइन ट्रांसफर के लिए डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर यानी हथख़ज़

का इस्तेमाल करें।

चेक-चेक से भी पेमेंट कर सकते हैं। ऋक़्ड के नए नियमों के कारण अब चेक कुछ ही घंटों में क्लियर हो जाते हैं।

मचैट डिस्काउंट रेट क्या होता है?

मचैट डिस्काउंट रेट यानी स्क़्ड यह वह फीस होती है जो कोई व्यापारी या दुकानदार डेबिट/क्रेडिट कार्ड या डिजिटल पेमेंट (क़्ड) की सुविधा यानी पॉइंट ऑफ सेल मशीन या पेमेंट गेटवे का उपयोग करने के बदले बैंक और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को देता है।

यह फीस डिजिटल इफास्ट्रकर और ट्रांसफर नेटवर्क को सही से चलाने की लागत को पूरा करने के लिए लिया जाता है।

विचार

स्वस्थ समाज वही है जहां समृद्धि भी हो और संवेदना भी

कौन जिम्मेदार है?

दिल्ली की राजधानी होने का दावा तभी सार्थक है जब उसकी गलियां, पार्क और मंदिर परिसर महिलाओं के लिए सुरक्षित हों. 21 सितंबर की शाम कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में हुई घटना ने दिल्ली के राजधानी होने के गर्व को एक बार फिर कलंकित किया है।फरीदाबाद की 17 वर्षीय लड़की अपने 17 वर्षीय मित्र के साथ जन्मदिन पर मंदिर दर्शन करने आई थीं. दर्शन के बाद दोनों गेट नंबर 7 से पार्क में आते हैं। वहां तीन युवकों ने स्वयं को पुलिसकर्मी बताया, पुलिसिया अंदाज में धमकाया, और लड़की को उसके मित्र से अलग करके सुनसान हिस्से में ले जाकर पिस्तौल तथा चाकू की धमकी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। शाम 8~45 बजे पीसीआर कॉल मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचती है। पीड़िता की जांच के बाद एफआईआर दर्ज होती है और तीनों आरोपी जिसमें वकील हेमंत, उसका भाई बीएससी छात्र मुकेश और ओखला मंडी का रहने वाला आसिफ गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। आसिफ के साथ पुलिस को मुठभेड़ भी करनी पड़ती है। यह विवरण पर्याप्त है यह समझने के लिए कि मामला कितना गंभीर है। नाबालिग के साथ गैंगरेप, पुलिस का छद्म रूप धारण करना, हथियार दिखाना और राजधानी के व्यस्त धार्मिक-पर्यटन क्षेत्र के ठीक बगल में यह सब होना दिल्ली प्रशासन के लिए शर्मनाक है। ये सब एक साथ मिलकर घटना को महज एक और अपराध नहीं, बल्कि व्यवस्था की नाकामी बना देते हैं। घटना के बाद अपराधियों पर पॉक्सो और भारतीय न्याय संहिता की कठोर धाराएं लगाई गई हैं। यह सही है। लेकिन सवाल गिरफ्तारी के बाद का नहीं, घटना से पहले का है। मंदिर और पार्क जैसे स्थानों पर इतनी आसानी से तीन व्यक्ति पुलिस बनकर किशोर जोड़े को अलग कर सकें, तो निगरानी, गश्त और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल ने पार्कों के सुरक्षा ऑडिट के आदेश दिए हैं। यह स्वागत योग्य कदम है, पर यह फेसला लेने के लिए इस शर्मनाक घटना का इंतेजार क्यों किया गया? दिल्ली के राजधानी का दावा तभी दिकता है जब उसकी सबसे व्यस्त गलियों और पार्कों में शाम आठ बजे भी एक लड़की अपने मित्र के साथ बिना भय के खड़ी रह सके। कालकाजी के पास आस्था कुंज पार्क कोई सुनसान जंगल नहीं, मंदिर और आबादी के बीच का सार्वजनिक स्थान है। फिर भी तीन व्यक्ति पुलिस बनकर धमकाने और अपराध करने का साहस जुटा सके। यह एक घटना नहीं, राजधानी की सुरक्षा-व्यवस्था पर प्रश्न है।हम सोचना स्वाभाविक है कि ऐसे अपराधी पहली बार नहीं रुके होंगे। छद्म पुलिस की भाषा, डर और दबाव यह तरीका जाहिर है कि बार-बार दोहराया गया होगा।दर्जनों पीड़िताएं लोक लाज की डर से अपने साथ हुई घटना को दुनिया के सामने नहीं लाई होंगी। इस घटना की अगर ठीक से जांच हो तो ऐसे बहुत से मामले सामने आएंगे। कई लड़कियों की आवाज 'तुमने क्यों साथ घूमना था' वाले सवाल से दब जाती हैं। चुप्पी अपराध को बढ़ाती है, अपराधी को दोहराव का भरोसा देती है। इसलिए जरूरत केवल गिरफ्तारी की नहीं, गुप्तताम शिकायत, संवेदनशील जांच और समाज के उस दबाव को तोड़ने की है जो पीड़िता को दोषी ठहराता है। कम से कम देश की राजधानी में जब पार्क सुरक्षित होंगे और लड़कियों के चुप रहने की मजबूरी खत्म होगी तो जाहिर है कि देश के दूर-दराज इलाकों के लिए दिल्ली नजीर बन सकेगी।

बिहार के जमुई में सड़क किनारे किशोर लड़की और उसके मित्र के साथ छेड़छाड़ की घटना का वीडियो वायरल हुआ। उस पर व्यापक चर्चा हुई, राजनीतिक बयानबाजी हुई और 'जंगल राज' का आख्यान हुआ। जमुई की घटना भी निंदनीय है, पीड़ितों के साथ अन्याय हुआ और आरोपियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन दिल्ली की घटना जमुई की घटना से कम भयावह नहीं है। अपराध सामूहिक यौन हिंसा का है, हथियार का इस्तेमाल हुआ और स्थान राष्ट्रीय राजधानी का एक जाना-पहचाना इलाका है।यह आश्चर्यजनक है कि एक घटना को व्यवस्था की पूर्ण फिलतला मान लिया गया और दूसरी को लगभग सामान्य अपराध की श्रेणी में रखा गया।

राजधानी इसलिए अलग है कि वह पूरे देश की सुरक्षा-व्यवस्था का प्रतीक है। यदि यहां मंदिर जाने के बाद पार्क में टहलना किशोरी के लिए जोरिखम बन जाए, तो बाकी शहरों को क्या संदेश जाता है? दिल्ली में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध के आंकड़ें लंबे समय से चिंता का विषय रहे हैं।

(एक नजर)

2027 में खत्म होगी कुंभ राशि पर साढ़ेसाती!

ज्योतिष शास्त्र में शनि देव को कर्मफल दाता और न्याय का देवता माना गया है. नवग्रहों में शनि की चाल सबसे धीमी मानी जाती है, जिसके कारण इनका राशि परिवर्तन सभी राशियों के जीवन में गहरा और दूरगामी प्रभाव डालता है. 3 जून 2027 को शनि देव मीन राशि की अपनी यात्रा समाप्त करके मेष राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं. शनि का यह गहरा कुंभ राशि के जातकों के लिए अत्यंत पेंतिहासिक रहने वाला है. कुंभ राशि के स्वामी स्वयं शनि देव हैं और इस राशि परिवर्तन के साथ ही कुंभ जातकों को लंबे समय से चली आ रही मानसिक व आर्थिक पीड़ा यानी %साढ़ेसाती% से मुक्ति मिल जाएगी. हालांकि, 20 अक्टूबर 2027 को शनि के वक्री होकर पुनः मीन राशि में लौटने से स्थितियां में एक बार फिर थोड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. आएए जानते हैं कि 2027 में होने वाला यह शनि गोचर कुंभ राशि के जातकों के जीवन के प्रमुख क्षेत्रों पर कैसा असर डालेगा. कुंभ राशि शनि देव की अपनी स्वराशि है.

विचार

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

डा. विजय विशाल

लेखक

आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे।आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बौटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बड़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की अपराधविधि जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह



धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18

सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मोनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी



अक्सर तनाव, अकेलेपन और रिश्तों की टूटन से जूझते दिखाई देते हैं। दूसरी ओर सीमित आय वाला एक परिवार भी हमसी-खुशी जीवन जीता है। इसका अर्थ यह नहीं कि गरीबी अच्छी है।इसका अर्थ केवल इतना है कि धन और खुशी का संबंध है तो सही, पर उसकी एक सीमा है। जीवनयापन के लिए बस उतने ही पैसे चाहिए जितने से हमारा कोई काम न रुके, और अबी-नबी में किसी से उधार न लेना पड़े, क्योंकि धन जीवन की आवश्यकता तो है, लेकिन वह खुशी की गारंटी बिल्कुल भी नहीं है। इसी प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए मनोवैज्ञानिक डेनियल काहेमन और अर्थशास्त्री एंगस डीटन ने 2010 में एक अत्यंत चर्चित अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे जीवन से संतुष्टि और खुशी भी बढ़ती है, लेकिन केवल एक सीमा तक। जब तक मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं, यानी भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा पूरी नहीं होतीं, तब तक अतिरिक्त आय किसी की गुणवत्ता में स्पष्ट सुधार लाती है। लेकिन इन आवश्यकताओं के पूरा हो जाने के बाद अधिक

आय और अधिक खुशी का संबंध धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। सच यही है कि आर्थिक सुरक्षा खुशी की आधारशिला है, लेकिन इसे खुशी की गारंटी मानना गलत होगा। आधुनिक न्यूरोसाइंस भी इसी निष्कर्ष की पुष्टि करती है कि जब हमें आर्थिक लाभ होता है, बोनस मिलता है, कोई बड़ा सौदा सफल होता है या बैंक खाते का बैलेंस बढ़ता है, तो मस्तिष्क में डोपामीन सक्रिय होता है। डोपामीन हमें उपलब्धि और उत्साह का अनुभव कराता है, लेकिन इसकी सीमा यह है कि यह हमें उपलब्धि का आनंद तो देता है, पर स्थायी संतोष नहीं दे पाता। कुछ समय बाद वही उपलब्धि सामान्य लगने लगती है और मन अगली मंजिल की ओर दौड़ पड़ता है। दूसरी ओर, यह भी सच है कि जेब में पैसा हो तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है और हम में अपने निर्णय स्वयं लेने का साहस आता है और हमें कई नए अवसर भी मिलते हैं।गड़बड़ तब होती है जब हम धन को जीवन का अंतिम लक्ष्य बना लेते हैं। धन जीवन की जरूरत तो है, पर यह जीवन का उद्देश्य कदापि नहीं हो सकता, न होना ही चाहिए।



अवध प्रदेश और पश्चिम प्रदेश में बांटने का प्रस्ताव पारित किया था। मायावती सरकार का तर्क था कि इतने विशाल राज्य में प्रशासन और विकास को प्रभावी ढंग से चलाना कठिन है और छोटे राज्य क्षेत्रीय जरूरतों पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं।इस्ताव केन्द्र को भेजा गया, लेकिन आगे मामला नहीं बढ़ा। 2014 में केन्द्र सरकार ने संसद में बताया था कि 2011 का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था, राज्य सरकार से अतिरिक्त जानकारी मांगी गई थी, लेकिन उस समय उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से वह जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और केन्द्र के पास उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं था।पश्चिम से पूर्वांचल तक अलग-अलग सूर

यह भी उल्लेखनीय है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग राज्य या हरित प्रदेश की मांग भी पुरानी है। राष्ट्रीय लोक दल के संस्थापक अजित सिंह समेत कई नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए अलग राज्य की वकालत की थी। गन्ना, खेती, कारोबार, उद्योग और दिल्ली की नजदीकी को इसके पक्ष में प्रमुख तर्कों के तौर पर रखा जाता रहा है।मगर पूर्वांचल की कहानी अलग है। यहां समर्थक कहते रहे हैं कि विशाल आबादी, आर्थिक पिछड़ापन, रोजगार के लिए पलायन और लखनऊ से दूरी के कारण क्षेत्र को अलग प्रशासनिक इकाई मिलनी चाहिए। बुदेलखंड के लिए भी अलग राज्य की मांग लंबे समय

से उठती रही है, लेकिन उसकी पेचीदगी यह है कि प्रस्तावित क्षेत्र उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश तक फैला हुआ है।

देखा जाये तो मोटे तौर पर पुराने प्रस्तावों में पश्चिम प्रदेश में पश्चिमी और कुछ मध्य-पश्चिमी जिलों का बड़ा हिस्सा, अवध प्रदेश में मध्य क्षेत्र, बुदेलखंड में झांसी, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट जैसे जिले तथा पूर्वांचल में वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश का बड़ा इलाका शामिल रहा है। इन सीमाओं को लेकर अलग-अलग प्रस्तावों में फर्क भी रहा है। सवाल सिर्फ नक्शे का नहीं, नीयत और व्यवस्था का भी है छोटे राज्यों के समर्थकों का तर्क है कि छोटा प्रशासन ज्यादा चुस्त होगा, क्षेत्रीय समस्याओं पर सरकार की पकड़ बढ़ेगी और विकास की प्राथमिकताएं स्थानीय जरूरतों के हिसाब से तय की जा सकेंगी। विरोध में यह सवाल भी उठता है कि क्या केवल राज्य छोटा कर देने से गरीबी, बेरोजगारी, पलायन और क्षेत्रीय असमानता खत्म हो जाएगी? नए राज्यों के गठन के साथ राजधानी, विधानसभा, उच्च न्यायालय, सरकारी कर्मचारियों, संपत्तियों, कर्ज, राजस्व और संस्थानों के बंटवारे जैसी बड़ी प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियां भी सामने आती हैं।

अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केन्द्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध है। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समरूपबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं।

इन बातों से घर में रहेगी

खिड़की-दरवाजे खोलें। जो घर हमेशा बंद रहता है, वह बेहद नीरस तथा अंधकारमय नजर आता है। घर में हवा व धूप के आने से सकारात्मकता का संचार होता है।

घर हो खुशबू भरा

एक सकारात्मक माहौल बनाने के लिए घर का खुशबूदार होना जरूरी है। ध्यान रखें कि आपके घर यदि कुछ भी बदबूदार वस्तु हो तो उसे बाहर निकाल दें। घर में खुशबूदार फूल, अरोमा ऑयल या मोमबत्ती जलाकर कर रखें। घर को खुशबूदार बनाने



नॉनस्टिक बर्तन हैं

तो ये बातें रखें

ध्यान

नॉनस्टिक बर्तनों पर कैमिकल कोटिंग लगी रहती है, जरा-सी लापरवाही से इस कोटिंग के हटने का खतरा रहता है। नॉनस्टिक बर्तनों का इस्तेमाल करना जितना आसान होता है, उतना ही आसान उनका खराब होना भी होता है। नॉनस्टिक बर्तनों को बाद में साफ करने के लिए सिक में इकट्ठा करने की जगह, उसे तुरंत ही साफ करके एक ओर रख दें। नॉनस्टिक पैन और तवे की सफाई के लिए हल्के साबुन और डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। नॉनस्टिक बर्तनों के लिए नायलॉन और स्टील के जूने का इस्तेमाल भूलकर भी न करें। इसके लिए स्पंज वाले पैड का इस्तेमाल करें। बर्तन धोने के बाद इसे साफ कपड़े से पोंछकर रख दें।

चाकू और चम्मच देंगे साथ

चाकू या छुरी किचन के बेहद महत्वपूर्ण उपकरण हैं। इनकी धार अगर तेज नहीं होगी, तो आपका काम रुक जाएगा। सब्जी काटते हुए आपको झुंझलाहट होने लगेगी। इस समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि चाकू की सफाई के लिए आप उसे सिक में डालने की गलती न करें। सब्जी काटने के चाकू को किसी कपड़े से पोंछकर उसे उसके लिए निर्धारित जगह पर रख दें। चाकू को धोकर उसका पानी सूखने के लिए छोड़ देने की गलती न करें। उसे हमेशा कपड़े से पोंछ कर रखें। चाकू को ऐसे ही किसी दरज में खुला न रख दें, इससे इसकी धार तो खराब हो ही जाती है, साथ ही उंगली कटने का खतरा भी रहता है। कटलरी आइटम्स जैसे चम्मच, कांटा आदि को खासतौर पर कटलरी के लिए बने बॉक्स में ही रखें। अगर आप अपनी सारे कटलरी आइटम्स का नियमित तौर पर इस्तेमाल नहीं भी करती हैं, तो भी थोड़े-थोड़े समय पर उसकी साफ-सफाई करती रहें।

नॉनस्टिक में ऐसे पकाएं खाना

नॉनस्टिक बर्तन चिकना होता है इसलिए उसमें खाना पकाना बेहद आसान होता है। इसमें बना खाना ज्यादा सेहतमंद होता है क्योंकि इसमें ज्यादा तेल डालने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन, नॉनस्टिक बर्तन में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखने की जरूरत होती है। मसलन, नॉनस्टिक बर्तन को कुकिंग करने से पहले से ही गर्म करके न रखें। ज्यादा तेज आंच पर नॉनस्टिक में खाना न पकाएं और न ही इसमें खाना बनाने के लिए स्टील की कड़छी और पलटे का इस्तेमाल करें। अगर इस पर कोई चीज चिपक गई है, तो उसे छुड़ाने के लिए चाकू या किसी अन्य नुकीली चीज का इस्तेमाल न करें, इससे बर्तन की कोटिंग उतरने का खतरा रहता है। नॉनस्टिक बर्तन में खाना बनाने के लिए लकड़ी की कड़छी या स्टेपुला का ही इस्तेमाल करें। अगर नॉनस्टिक बर्तन में लगा हुआ कोट उतर जाए तो वह खाने में मिल सकता है। यह स्थिति सेहत के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकती है।

लकड़ी का सामान

किचन में इस्तेमाल की जाने वाली लकड़ी से बनी चीजों मसलन चॉपिंग बोर्ड, नॉनस्टिक बर्तनों के लिए इस्तेमाल होने वाला स्टेपुला, चकला-बेलन आदि चीजों को इस्तेमाल के बाद तुरंत ही साफ करके सूखी जगह पर रख दें। इन्हें बहुत देर तक पानी में भिगोकर न रखें क्योंकि लकड़ी की चीजें ज्यादा देर तक पानी में रहें तो खराब होने लगती हैं।

माइक्रोवेव देगा आपका साथ

स्मार्ट किचन की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं माइक्रोवेव। इनकी मदद से आप फटाफट खाना बना सकती हैं। मैगी, पास्ता बनाने के साथ-साथ मूंगफली, ड्राई फ्रूट्स को जरा-सी देर में रोस्ट कर सकती हैं, लेकिन इसकी देखरेख में सावधानी बरतने की जरूरत है। माइक्रोवेव में कुकिंग करते समय हमेशा माइक्रोवेव प्रूफ बर्तनों का इस्तेमाल करें। खाना पकाते समय उसे ढंक कर पकाएं। जितना जरूरी हो, उतना ही पानी डालें। अगर इस्तेमाल करते समय कुछ गिर गया है, तो बाद में साफ कर लूंगी, सोच कर उसे छोड़ न दें, तुरंत साफ कर लें। समय-समय पर माइक्रोवेव



घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करें, इसके लिए जरूरी है कि मुख्य द्वार हमेशा साफ-सुथरा हो। मुख्य द्वार पर पानी का फाउंटेन लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार पर हरे-भरे पौधे रखें।

घर में प्रवेश करते ही रोशनी होनी चाहिए। यदि वहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती है तो वहां हमेशा एक लाइट जलाकर रखें। मुख्य द्वार के पास की दीवारों का रंग गहरा नहीं होना चाहिए क्योंकि वास्तु के अनुसार यह सकारात्मकता को सोख लेता है। दरवाजे पर कपूर जलाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

घर में रोशनी का करें खास इंतजाम

घर जितना रोशन होगा, उतनी ही सकारात्मकता आएगी। घर में लाइटिंग का खास इंतजाम करें। यदि आपको अच्छा लगता है तो रंग-बिरंगी लाइट भी लगवा सकती हैं। पर, ध्यान रहे कि वह लाइट इतनी चमकदार हो कि घर में अंधेरा न रहे। घर की लॉबी हमेशा रोशन रहनी चाहिए, क्योंकि वहां आकाश तत्व होता है।

सकारात्मक संदेश लगाएं

अपने कमरे या लिविंग रूम में कुछ सकारात्मक संदेश, खुशहाल तस्वीर, प्रेरणादायी बातें लगाएं। इन सब से आप खुद को हमेशा उत्साह से परिपूर्ण महसूस करेंगी।

हर सुबह खिड़की

दरवाजे खोलें

घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखने के लिए हर सुबह घर के



ऑफिस में दिल टूटे तो आप क्यों

अपने ऑफिस में किसी साथ काम करने वाले से प्यार हो जाना एक आम बात है, क्योंकि दिन का एक लंबा वक्त ऑफिस में ही बीतता है। पर ऑफिस के साथी से रोमांस जितना टीवी सीरियलों में देखने में दिलचस्प लगता है वास्तव में ऐसा नहीं होता। उस पर यदि आपका ब्रेकअप हो जाए तो उस व्यक्ति के साथ एक ही ऑफिस में बैठकर काम करना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में खासकर युवतियों को नौकरी छोड़ना एकमात्र विकल्प नजर आता है। लेकिन फिर से नौकरी ढूँढना, अपनी साख बनाना बहुत लंबा व मेहनत भरा काम है। दूसरा रुपये-पैसे का नुकसान भी होता है। आइए जाने कैसे आप निजी व दफ्तर की ज़िंदगी में सामंजस्य बिटाते हुए ब्रेकअप होने के बाद भी उसी नौकरी में भलीभांति काम कर सकती हैं।

बात करके स्पष्ट करें

साइकोलॉजिस्ट पल्लवी जोशी बताती हैं कि बहुत जरूरी है कि जिसके साथ आपका ब्रेकअप हुआ है, उसके साथ कुछ दायरे सुनिश्चित कर लिए जाएं, क्योंकि आखिरकार आपको काम एक साथ ही करना है। इसलिए आप अपने एक्स पार्टनर के साथ बात करके यह निर्धारित कर लें कि जब कोई काम होगा या कोई प्रोजेक्ट हैंडल करना होगा, तभी हम बात करेंगे। काम के अलावा हमारे बीच कोई भी बात नहीं होगी। ऐसा करने से आप दोनों को अपने दायरे का एहसास होगा और बिना वजह की कन्फ्यूजन से मुक्ति मिलेगी और नौकरी भी सही प्रकार से चलती रहेगी। धीरे-धीरे कड़वे हो गए रिश्ते की चुभन, अफसोस और लगाव भी खत्म हो जाएगा।

प्रोफेशनल बनें

भले ही कितना भी मुश्किल क्यों ना हो, आपको काम

के वक्त अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखना है।

झगड़े व बहस से न सिर्फ आपके लिए ऑफिस में बहुत अजीब सी स्थिति पैदा हो जाएगी, आप दफ्तर में बहुत ही अनप्रोफेशनल नजर आएंगी। याद रहे, जब भी आप ऑफिस में प्रवेश करें तो अपने उस रिश्ते को बाहर छोड़कर आएँ।

काम पर ध्यान लगाएं

सबसे प्रभावशाली मूलमंत्र है कि आप अपने काम से काम रखें और उससे बात करने से बचें। गलती से भी अगर आप दोनों को एक ही काम सौंपा गया है, तो इससे परेशान न हों और अपने हिस्से का काम पूरा करके रिपोर्ट उस कलीग को दें। उसे बता दें कि आपने अपनी तरफ से काम पूरा कर लिया है। क्योंकि काम न होने की स्थिति में निजी तनाव की वजह से आपका विवाद झगड़े में बदल सकता है। उदाहरण के लिए आप दोनों को दिए गए काम में अगर आपने जरा भी देरी की, तो उसका गुस्सा आप पर फूट सकता है। इसलिए हमेशा समय से पहले ही काम कर लें।

दूरी बनाएं रखें

अक्सर आपने राह चलते वाहनों के पीछे ‘प्लीज मेंटन द गैप’ लिखा देखा होगा, ऐसा इसलिए लिखा होता है, क्योंकि हो सकता है कि अगर वह गाड़ी को अचानक ब्रेक लगा दे तो आपको नुकसान न पहुंचे। इसलिए झगड़े से बचने के लिए उस व्यक्ति से हमेशा दूरी बनाए रखें। उसकी बुराई करना या बार-बार उससे उलझने की गलती करना आप पर भारी पड़ सकता है। जितना हो सके दूरी बनाकर रखें।

न फंसे गॉसिप के चक्कर में

आठ घंटे की ऑफिस शिफ्ट में किसी से आपकी बहुत दोस्ती हो जाती है, ऐसे में बहुत स्वाभाविक है कि आप अपने मन का गुबार निकालने के लिए अपने एक्स पार्टनर की गलती के बारे में उससे बात करें, उसकी बुराई करें। लेकिन ऐसा करने से न सिर्फ आपके एक्स के बारे में अन्य साथियों की सोच में परिवर्तन आता है, साथ ही आपकी प्रोफेशनल छवि भी खराब होती है। अगर आपको मन की शांति के लिए बात करनी भी है तो ऑफिस के बाहर के किसी अन्य व्यक्ति से करें। ऑफिस के लोगों से कभी बात न करें।

बनाएं दूरी

जितना हो सके, अपने एक्स से किसी भी काम के लिए बात करने से बचें। किसी भी ऑफिस पार्टी या अन्य किसी स्थिति में उससे घुलने-मिलने की कोशिश न करें। यदि आप टी ब्रेक या लंच के लिए एक साथ कैटीन में जाते थे। तो अपने टी ब्रेक व लंच का समय बदल दें, ताकि आपका आमना-सामना ही न हो। यदि आप किसी कॉमन प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो अपनी बात को मेल द्वारा ही साझा करें।

डरें नहीं

यदि आपका एक्स आपको बदनाम करने की कोशिश करे, तो डरे नहीं। सबसे बेहतर होगा कि आप अपने काम से काम रखें। अपने काम में आप जितनी अच्छी होंगी कोई आपको

नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा। अगर बात हद से बढ़



न्यूज़ इन शॉर्ट

दूध नदी पर पुल और पहुंच मार्ग के लिए 16.15 करोड़ स्वीकृत
रायपुर। राज्य शासन ने कांकेर जिले में दूध नदी पर पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 16 करोड़ 14 लाख 71 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इस राशि से कोदाभाट-माटवाड़ा मोदी मार्ग पर दूध नदी पर उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग बनाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति का पत्र प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया है। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं नियंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व को निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। राज्य शासन ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करून, निर्माण कार्य प्राकलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दाऊ मंदराजी की विरासत छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर – श्री राजेश अग्रवाल
रायपुर। पुण्यतिथि पर संस्कृति मंत्री ने नाचा के पुरोधा को दी भावभीनी श्रद्धांजलिछत्तीसगढ़ी लोकनाट्य ‘नाचा’ को नई पहचान और विशिष्ट स्वरूप प्रदान करने वाले महान लोक कलाकार दाऊ दुलार सिंह मंदराजी की पुण्यतिथि पर संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दाऊ मंदराजी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और नाचा की परंपरा को समृद्ध करने में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि दाऊ दुलार सिंह मंदराजी ने नाचा को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि उसे छत्तीसगढ़ के जनजीवन, लोकभाषा, सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाले सशक्त लोकमंच के रूप में विकसित किया। उनका पूरा जीवन लोककला और कलाकारों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कलाकारों को संगठित कर ‘रैली रिगनी साज’ नाचा दल बनाया, जो छत्तीसगढ़ की पहली नाचा पार्टी है। श्री अग्रवाल ने कहा कि दाऊ मंदराजी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने छत्तीसगढ़ी लोकजीवन की सहजता, हास्य, व्यंग्य और सामाजिक सरोकारों को नाच के माध्यम से प्रभावी अभिव्यक्ति दी। उनके प्रयासों से नाचा को गांवों की सीमाओं से आगे व्यापक पहचान मिली और अनेक प्रतिभाशाली लोक कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने का मंच प्राप्त हुआ। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक परंपराओं, लोककलाओं और लोक कलाकारों से है। दाऊ मंदराजी जैसे महान कलाकारों ने अपनी साधना से इन परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का कार्य किया। उनके योगदान से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दाऊ मंदराजी की स्मृति में राज्य सरकार द्वारा लोक नाट्य एवं लोक शिल्प के क्षेत्र में ‘दाऊ मंदराजी सम्मान’ प्रदान किया जाना भी उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम दाऊ दुलार सिंह मंदराजी को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ की लोककला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी तक उसके विस्तार का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि दाऊ मंदराजी का जीवन यह संदेश देता है कि अपनी मिट्टी, अपनी बोली और अपनी लोक परंपराओं से जुड़कर भी कला को व्यापक पहचान दिलाई जा सकती है। छत्तीसगढ़ी नाचा के इस महान साधक की कला-साधना और योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

नई रेल लाइन से भिलाई इस्पात संयंत्र तक लौह अयस्क का परिवहन सुगम होगा और इस्पात उद्योग के विकास को बढ़ावा मिलेगा

भारतीय रेलवे ने दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्र को जोड़ा; दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन के ताड़ोकी-रावघाट खंड तक रेल पटरी पहुंची

परियोजना से रायपुर और भिलाई के साथ संपर्क मजबूत होगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार और व्यापार तक पहुंच में सुधार होगा

संवाददाता > रायपुर

छत्तीसगढ़ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना में भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। परियोजना के अंतिम खंड ताड़ोकी-रावघाट का कार्य पूरा हो गया है। यह सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉड गेज खंड है। इस खंड का सीआरएस निरीक्षण और गति परीक्षण कल किया गया।

नई रेल लाइन को चालू करने की दिशा में सीआरएस का निरीक्षण और गति परीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। निरीक्षण के दौरान रेल लाइन, पुलों और पुलियों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग तथा अन्य सुरक्षा एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच की गई। निर्धारित



प्रक्रिया के अनुसार रेल खंड की परिचालन क्षमता और सुरक्षा मानकों का भी परीक्षण किया गया। 17.5 किलोमीटर लंबा ताड़ोकी-रावघाट खंड 95

किलोमीटर लंबी दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना का हिस्सा है और दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक दूरस्थ क्षेत्र में स्थित है। वर्तमान में दल्लीराजहरा से

बस स्टैंड की सड़क पर सटाकर फल की दुकान, अस्पताल मार्ग पर जाम का खतरा; शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार विभाग मौन

संवाददाता > रघुनाथनगर

रघुनाथनगर बस स्टैंड क्षेत्र में सड़क किनारे संचालित हो रही फल की दुकान और आसपास लगे ठेले अब यातायात व्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बनते नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासन द्वारा निर्मित मुख्य सड़क से बेहद सटाकर फल की दुकान संचालित की जा रही है, जबकि ठीक बगल से रघुनाथनगर-चर्चरी मार्ग गुजरता है। इसी मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और न्यू आदर्श महाविद्यालय स्कूल भी स्थित हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सड़क के किनारे दुकानें और ठेले लगने के कारण सड़क का उपयोग करने वाले वाहनों को पर्याप्त जगह नहीं मिलती। खासकर अस्पताल की ओर जाने



वाले मार्ग के टर्निंग प्वाइंट के पास स्थिति अधिक संवेदनशील बताई जा रही है। सड़क के दोनों ओर कहीं होटल के ठेले, कहीं सब्जी और फल की दुकानें लगने के साथ वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर दिया जाता है, जिससे कई बार यातायात बाधित होने की स्थिति बनती है।

पंचायत से लेकर थाने तक शिकायत, फिर भी स्थिति जस की तस: बताया जा

रहा है कि सड़क पर अतिक्रमण और ठेलों की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत में शिकायत की गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। थाना स्तर पर भी शिकायत पहुंचने के बाद कुछ सब्जी विक्रेताओं को हटया गया, लेकिन फल दुकान को लेकर कार्रवाई नहीं होने की बात सामने आ रही है। फल दुकान संचालक की

बीसी की निर्धारित लोकेशन से बाहर काम करने पर सवाल, ग्रामीण बैंक की व्यवस्था पर उठी निगरानी की चिंता

संवाददाता > रघुनाथनगर

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की रघुनाथनगर शाखा में बैंकिंग प्रतिनिधियों (BC) के कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, कुछ BC अपने निर्धारित कार्यस्थल के बजाय बैंक शाखा के आसपास बैठकर ग्राहकों के बैंकिंग कार्य करते दिखाई देते हैं। इस संबंध में यह भी दावा किया जा रहा है कि कुछ ऋण की अधिकृत लोकेशन रघुनाथनगर से करीब 5 से 15 किलोमीटर दूर है।

यदि यह जानकारी सही है तो यह जांच का विषय बनता है कि संबंधित ऋण अपने अधिकृत केंद्र के बजाय दूसरे स्थान से बैंकिंग सेवाएं किस व्यवस्था के तहत संचालित कर रहे हैं। हालांकि, किसी ऋण द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

बैंक के ही बगल में तीन-तीन बीसी बेंचे हैं जिनका लोकेशन दूर है। लोकेशन और ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड की जांच से स्थिति होगी



स्पष्ट। BC की वास्तविक कार्यप्रणाली को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए बैंक के सक्षम अधिकारियों द्वारा संबंधित ऋण की अधिकृत लोकेशन, लॉगिन विवरण, ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड, समय और कार्यस्थल का मिलान किया जा सकता है। इससे यह पता चल सकेगा कि बैंकिंग कार्य निर्धारित केंद्र से हो रहा है या किसी अन्य स्थान से। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि बड़े लेन-देन के आधार पर प्रति हजार में पर करीब 10 रुपये कमीशन और खाता खोलने के लिए 100-200 रुपए का चार्ज लिए जाने

की बात कही जा रही है। जो राशि ली जा रही है तो वह बैंक के निर्धारित नियमों के अनुरूप है या नहीं और उसका रिकॉर्ड उपलब्ध है या नहीं।

रघुनाथनगर शाखा प्रबंधक की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल

मामले में शाखा प्रबंधन की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि वर्तमान जानकारी के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि शाखा प्रबंधक या किसी उच्च अधिकारी का इस व्यवस्था में संरक्षण है।

भारी बारिश के बीच आयोग सदस्य दीपिका शोरी का जिले के एक छोर से दूसरे छोर तक धुआंधार दौरा



स्वास्थ्य एवं सुविधाओं को लेकर संबंधित जिम्मेदारों से चर्चा की। उन्होंने आगनबाड़ी कार्यक्रमों, शिक्षकों तथा आश्रम-छात्रावास अधीक्षकों से कहा कि लगातार बारिश के कारण बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए बारिश के मौसम में होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, भोजन की गुणवत्ता तथा परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही बच्चों में बीमारी के किसी भी लक्षण की स्थिति में तत्काल आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा संबंधित विभाग को सूचना देने के निर्देश दिए।

दीपिका शोरी ने कहा कि दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बारिश के दौरान आवागमन और मौसम संबंधी परिस्थितियों को देखते हुए स्कूल एवं आश्रमशालाओं में बच्चों की सुविधाओं का नियमित निरीक्षण किया जाना आवश्यक है।

जिले के जगह-जगह जनसमस्याओं का जायजा लेते हुए किए श्री गणेश के दर्शन

दौरे के दौरान जिले के एक छोर से लेकर दूसरे छोर तक जन समस्याओं का जायजा लेते हुए दीपिका शोरी ने विभिन्न गांवों में श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर आयोजित गणेश उत्सव में भी सहभागिता की। उन्होंने डोलेरास, कुन्दनपाल, भण्डारास, पतिताइकरास, रोकेल, छूरागढ़, पार्वेला, किंदरवाड़ा, बकुलाघाट, कोटा, कूकानार, जनसमस्याओं को देखते हुए।

जीरो वेस्ट मॉडल को बढ़ावा देने पर विशेष जोर

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 49.66 करोड़ के 50 कार्यों को मंजूरी

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति ने 42 आकांक्षी शोचालयों सहित स्वच्छता व अपशिष्ट प्रबंधन की स्वीकृति

संवाददाता > रायपुर

शहरों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 49 करोड़ 66 लाख रुपए के 50 कार्यों को मंजूरी दी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में हुई स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (स्वच्छ) की 13वीं बैठक

में इन कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रालय में हुई बैठक में 42 आकांक्षी शोचालयों सहित सतत स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अनुपचारित जल प्रबंधन से जुड़े कई कार्यों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों से शहरों में नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्वीकृत परियोजनाओं के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन की निगरानी के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सलाहकार (अड्डा) की नियुक्ति को स्वीकृति दी गई। साथ ही अनुपचारित जल प्रबंधन के अंतर्गत 5 नगरीय निकायों से प्राप्त निविदा दरों से संबंधित प्रस्तावों पर भी आवश्यक स्वीकृतियां जारी की गईं। इससे इन निकायों में जल प्रबंधन से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी।